हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) डारि गयो मनमोहन फाँसी ।
आँबा की डाल कोइलि इक बोले,
मेरो मरण अरु जग केरी हाँसी ।
बिरह की मारी मैं बन बन डोलूँ,
प्राण तजूँ करवत ल्यूँ कासी,
मीरां के प्रभु हरि अबिनासी,
तुम मेरे ठाकुर मैं तेरी दासी ।

(ख) भाभी बोलो बचन बिचारी
साधां की संगत दुख भारी, मानो बात हमारी ।
छापा तिलक गलहार उतारो, पहरो हार हजारी ।
रतन जड़ित पहरो आभूषण, भोगो भोग अपारी ।
मीरांजी थे चलो महल में, थांने सोगन म्हारी ।।

(ग) नित न्हाने से हरी मिलै तो, जल जंतु होई ।
फल मूल खाकै हरी मिलै तो, बाँदर-बाँदरा होई ।।
तिरन भखन से हरी मिलै तो, बहुत मृगी अजा ।
स्नेह छोड़के हरी मिलै तो, बहुत हैं खोजा ।।
दूध पीके हरी मिलै तो, बहुत वत्स बाला ।
मीरां कहै बिन प्रेम के, नहीं मिलै नँदलाला ।।

(घ) जोगिया सों प्रीत कियाँ दुख होय ।
प्रीत किया सुख नहीं मोरी सजनी, जोगी मींत न कोई ।
रात दिवस कल नाहिं परत है, तुम मिलियां बिन मोई ।
ऐसी सूरत या जग माहीं, फेरि न देखी सोई ।
मीरा के प्रभु कब रे मिलोगे, मिलियाँ आनँद होई ।।

2. मीरा के समय की राजनीतिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए । *10*

3. भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करते हुए मीरा की भक्ति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *10*

4. मीरा की काव्यभाषा की विशेषताएँ बताइए । *10*

5. 'मीरा का काव्य लोकजीवन से प्रभावित है ।' इस कथन का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) मीरा की कविता पर लोक शैली का प्रभाव

(ख) हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रंथों में मीरा

(ग) मीरा के आराध्य

(घ) ललद्यद